प्रेस विज्ञप्ति दिनांक 20 सितम्बर 2024

(1) माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा परिकल्पित झारखंड के स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं से सुसज्जित 'मूर्ति गार्डेन' का उद्घाटन आज राज भवन में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस 'मूर्ति गार्डेन' में युगपुरुष स्वामी विवेकानंद के अतिरिक्त झारखंड के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी गया मुंडा, जतरा टाना भगत, तेलंगा खड़िया, नीलांबर-पीतांबर, सिदो-कान्हू, तिलका मांझी, दिवा-किसुन, वीर बुधू भगत के अतिरिक्त परमवीर चक्र विजेता अल्बर्ट एक्का की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं।

---

(2) माननीया राष्ट्रपति महोदया के राज भवन से प्रस्थान के क्रम में स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए माननीय राज्यपाल महोदय।

---

(3) दिनांक 20 सितंबर, 2024 को आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान के शताब्दी समारोह में भारत की माननीय राष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति में माननीय राज्यपाल महोदय के सम्बोधन के मुख्य बिन्दु:-

जोहार !

सर्वप्रथम, मैं झारखंड की इस पावन भूमि पर भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। उनका प्रेरणादायी व्यक्तित्व आज के इस समारोह की शोभा व गरिमा और भी बढ़ा रहा है। माननीय राष्ट्रपति महोदया ने 6 वर्षों से अधिक राज्यपाल के रूप में झारखंड की सेवा की और राज्य के विकास के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनकी सादगी, मृदु स्वभाव और जनता के प्रति उनके समर्पण ने उन्हें एक "पीपुल्स गवर्नर" के रूप में स्थापित किया।

 माननीय राष्ट्रपति महोदया द्वारा राज्य में स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों का भ्रमण एक उल्लेखनीय कदम रहा। उनके प्रयास से आज राज्य में स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में सुधार देखा जा सकता है। एक अत्यंत साधारण सी पृष्टभूमि से आने वाली, हमारी परम आदरणीय राष्ट्रपति महोदया कॉलेज जाने वाली अपनी गाँव की पहली महिला बनी। उन्होंने विषम परिस्थितियों में भी शिक्षा ग्रहण किया। वे बालिकाओं के लिए एक प्रेरणा हैं, विशेष रूप से उन लड़कियों के लिए जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सपनों को पूरा करने का प्रयास करती हैं।

राज्यपाल पद ग्रहण करने के उपरांत राज्य के विभिन्न जिलों के सुदूरवर्ती इलाकों में प्रवास के दौरान मैं नागरिकों को विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करता हूं। मेरा प्रयास रहता है कि कोई भी पात्र व्यक्ति केंद्र एवं राज्य सरकार की विकास योजनाओं से वंचित न रहे। कई गाँवों में मुझे बताया

गया कि माननीय राष्ट्रपति महोदया भी लोगों के साथ जुड़ी रहती थी और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनती थीं, यह उनके जनसेवा के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

आज हम सभी के लिए गर्व का क्षण है कि हम राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान के शताब्दी समारोह में भाग ले रहे हैं। यह संस्थान पूर्व से केवल लाह उत्पादन एवं अनुसंधान पर केन्द्रित था। इस संस्थान द्वारा पिछले 100 वर्षों में भारतीय कृषि को नई दिशा प्रदान की गई है। संस्थान ने लाख उत्पादन, प्रोसेसिंग और मूल्यवर्द्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है, जिसने न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश के किसानों को समृद्ध बनाने में योगदान दिया है।

यह भी खुशी की बात है कि झारखंड लाख उत्पादन में अग्रणी है और इस संस्थान ने लाख उत्पादन के साथ-साथ प्रोसेसिंग और उत्पाद विकास में अनेक तकनीकी नवाचार किए हैं। इससे न केवल

किसानों की आय बढ़ी है, बल्कि कृषि उत्पादों का वैश्विक स्तर पर भी विस्तार हुआ है।

मैं यह भी उल्लेख करना चाहूंगा कि झारखंड की अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर करती है। राज्य के किसानों को खुशहाल बनाना ही हमारी समृद्धि का आधार है। हमारे यशस्वी माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किसानों की आय बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' और 'किसान क्रेडिट कार्ड' जैसी योजनाएं किसानों के लिए अत्यधिक लाभकारी सिद्ध हो रही हैं।

आज यहाँ माननीय केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री हमारे साथ उपस्थित हैं। उनके नेतृत्व में हमारे देश की ग्रामीण और कृषि व्यवस्था में जिस प्रकार से नए सुधार हो रहे हैं, वह सराहनीय हैं। उनके मार्गदर्शन में हम कृषि को और

सशक्त और आधुनिक बनाने के अपने प्रयासों को और गति दे पाएंगे।

अंत में, मैं इस संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और कर्मियों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने इस महान यात्रा को सफल बनाया है। आपके समर्पण और अथक परिश्रम से ही यह संस्थान को 100 वर्षों की यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण कर सका है।

इस शताब्दी समारोह के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को मेरी ओर से शुभकामनाएं और मैं आशा करता हूं कि यह संस्थान भविष्य में भी किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहेगा।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!

(4) माननीया राष्ट्रपति महोदया के झारखण्ड से प्रस्थान के क्रम में बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची में स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए माननीय राज्यपाल महोदय।